

गामयं ॥ इत्युक्तं श्रीमद्वेदेषु किं का तद्व्यसं ॥ इत्युक्तं

१८ ॥ अथ गीर्वाणं तस्य विष्णुस्य सा ॥ अथ तस्य चक्रवर्तिनः ॥ इत्युक्तं

१९ ॥ अथ तस्य चक्रवर्तिनः ॥ १९ ॥ अथ तस्य चक्रवर्तिनः ॥

२० ॥ अथ तस्य चक्रवर्तिनः ॥ २० ॥ अथ तस्य चक्रवर्तिनः ॥

२१ ॥ अथ तस्य चक्रवर्तिनः ॥ २१ ॥ अथ तस्य चक्रवर्तिनः ॥

२२ ॥ अथ तस्य चक्रवर्तिनः ॥ २२ ॥ अथ तस्य चक्रवर्तिनः ॥

२३ ॥ अथ तस्य चक्रवर्तिनः ॥ २३ ॥ अथ तस्य चक्रवर्तिनः ॥

यव मूली लुब्धक नाशनः ॥ १०२ ॥ कटुक तीक्ष्ण पालि मूल जूः
कालो वृद्ध विरुद्धि किं न माला सम द्वा धा न लठ व दिना
नः ॥ १०३ ॥ मई म श्रुत वाच म विरुद्ध क वा विना ॥ १०४ ॥
मय कथि न वै शी ख इ ठ न दिना नः ॥ १०५ ॥ चन्दन
गन्ध श्रुत बाल क यो न य यो ठः ॥ १०६ ॥ सु म्मा शु ठि स मा यु क्क उ
पि न नाशनः ॥ १०७ ॥ म विरुद्ध सो व क्क ल शु ठि कि न का र
वि रुद्धी ॥ १०८ ॥ ति मा लि कटु को र्थे व वा ल ठ व दि ना श नः ॥

१०९ ॥ डा क्क र्थे व पु द्ग वि र म्मा य यो ठ कं क म्मा ॥ कटु का रः
स मा द्वा धे काल क व दि ना श नः ॥ ११० ॥ दिं गु म वि र यि याः
ति कि ला न शु ठि स य न ॥ १११ ॥ लुब्ध क य म्मा वि रुद्धि
दि ना श नः ॥ ११२ ॥ क य थानि क वा र म्मा म्मा ना म वि रः
नि र्ध नः ॥ ११३ ॥ नि र्ध यु र्ध व ता य ना श य कि क व म्मा ॥ ११४ ॥
म वि र यि या नि र्ध व शु ठि य यो ठ कं क म्मा ॥ ११५ ॥ लुब्ध क य म्मा
थ क्क क व दि ना श नः ॥ ११६ ॥ कटु क म्मा वि र म्मा वि र म्मा

वेयाकस्यकामलं मम कसोवमयु कं डायाशुभादिनाः
 नै ॥ १६ ॥ किल्लेकल्लेकथा लुस्य भाउकं गं कथा क्रिय ॥ १७ ॥
 स्या न कल्लेकल्लेकथा लुस्य भाउकं गं कथा क्रिय ॥ १८ ॥
 धा न न व कना का क हा विपं ॥ विषय निर्विषय क्रिय ॥
 या क्रिय सा कल ॥ ६० ॥ सस्य निर्विषय नाशय का क नाश
 यमईन ॥ सस्य कल्लेकल्लेकथा लुस्य भाउकं गं कथा क्रिय ॥ ६१ ॥
 यनं सलं यनं यथं कल्लेकल्लेकथा लुस्य भाउकं गं कथा क्रिय ॥ ६२ ॥

[illegible]

ली भगवत्पना ॥ ६४ ॥ लाठ कंति कि कंथेय पुन कृष्य सुमंवे
वृत्तिरु ह सा सध सादं धममि कुरु संकव ॥ ६५ ॥ वाता
इति न कृदि कं अ यिक सा ॥ ६६ ॥ निडव ता इति
इति डा कनय मम ॥ ६७ ॥ म्फि ड वृ हति न वा लं अति
शीत अ सावर्त ॥ यु का य य कि म् न या जी न व वृ सी निरं सु
द ॥ ६८ ॥ काम सध न सा कृष्य काम युग न ल घन ॥ काम
नध व सा ल्य कि काम युग व ल क य ॥ ६९ ॥ वृषा जीः

वृषा जीः कृषि मान ल रु पि वृ न ॥ वृषा जीः कृषि मान ल रु पि वृ न ॥
म सा रु गे र्द न ॥ ७० ॥ सा घा र्त्त लि ले ल अ व वा का नी म म
ल के ॥ म शा मा सा क ड ॥ ध या न वा न सा क सि न पि वृ न ॥
॥ ७१ ॥ म्वा क न दि व शाय ना नि नि डे अ कृ कृ य न धा म यिः
ता वि न धा कि चि कृ ल ल रु लं व ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ य क य श
स द य ॥ म स य ड ॥ नि नि न नि धा द व न व या लं म व
का ला वि ला नि न ॥ ७४ ॥ यी न यै र्ग क र ध र्ग यै र्ग

ली १ नि. यव १
धामल ॥ २४ ॥ अथ नागजु लाय नन तु गच्छ मि ॥ २२ ॥
॥ कुरु कुरु न नी कुन न न सुह न न न न न ॥ कथा य न न न सु पि
न स धन ॥ न ना ॥ २५ ॥ ३५ ॥ काल यथा व द्धि स्या माय कृति
॥ २६ ॥ ३६ ॥ कुरु कुरु व ल या धि न द द्धि क मी स मा च य न ॥ २७ ॥
न ख तु जा य न मा रु मु ॥ य मा रु मा रु न ॥ म सा ॥ ३७ ॥ वा तु मा न
य न ना पु न्य दि व र्त्त क ॥ २८ ॥ ३८ ॥ वि कि क्ति न ना ग दि ना म न
॥ वि कि क्ति न ध मी दि व र्त्त न ॥ ३९ ॥ वि कि क्ति न वा रु य ला क

॥ वि कि क्ति न ना मि प न न य स्या ॥ २९ ॥ ३९ ॥ क वि इ ध
म क वि इ ध ना क क वि इ का म क वि इ व स न ॥ क वि इ का
॥ क न न वि कि सा वि कि ल स ह्य स वि मा न र न ॥ १०० ॥
क वि इ ध क वि इ ध क वि पु न्य क वि इ म ॥ क वि इ ला व ल
न ॥ १०१ ॥ ॥ तिल ते ना क नु कः
अ या ल कालि मा म ल क ॥ म क क र धि य क क मा सु का
॥ १०२ ॥ ॥ क र वा ना पु नी स्या ॥ म क क

[illegible][illegible]

新刊南唐書
卷之五
直隸書院藏





[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

६३ निहात वं ५

गानाभानातक ॥ ॥ अष्टिद्यागारिचानात्या ॥ मरिष्यगातिमायन ॥ आगतुर्जायन ॥ यथाव
 कविशायय ॥ ॥ दयातिमिहिस ॥ अविबालतिमिहिस ॥ दवतदहातिमिहिस ॥ दहातिमिहिस
 साधनम् ॥ गन्तुकतेज्ञायनयू ॥ आगतकहन ॥ ॥ ग्यावास्यागविश्वकृत् ॥ गथागसावयव
 तकात्रचिपियासाय ॥ देगादग्नेसहस्यन ॥ गोयचिवे ॥ वचयिव ॥ वच ॥ यसतयातिमिहिस
 यश्चरतिव ॥ कादयिव ॥ ज्ञाय ॥ दगावावाय ॥ तसयव ॥ ग्यासवायिव ॥ अस ॥ तनुनेत
 म्याथ ॥ स्याका ॥ थथसयनरुत ॥ ॥ डीयधीनयहन ॥ ॥ कामजवि ॥ दिम ॥ गदानस्यामिह
 अति ॥ कामतिमिहिस ॥ तूरुतमहि ॥ दायथद ॥ ॥ जानाहातया ॥ अनासहायि ॥
 तयमयव ॥ ॥ कामजनरुती ॥ ॥ ग्यात्यलायसाकड ॥ तवक्कायावयवयथ ॥ ग्याहातिमिहिस
 ताताविधितवाय ॥ ॥ खयातिमिहिस ॥ मीनाय ॥ ॥ ग्याकासतिमिहिस ॥ कीनयू ॥ धाव

[illegible]

